टिप्पणी

1

गृह, परिवार और गृह विज्ञान

'घर प्यारा घर' – हाँ, हम सभी के घर हैं जहाँ हम अपने परिवार के साथ रहते हैं और घर में रहने का आनंद उठाते हैं। हमारे परिवार में पिता–माता, भाई व बहन और कभी–कभी कुछ रिश्तेदार भी एक ही छत के नीचे रहते हैं और एक गृहस्थी की रचना करते हैं। एक गृहस्थी में नारी स्त्री या पत्नी घर के विभिन्न क्रियाकलापों को करते हुए गृहणी की मुख्य भूमिका निभाती है। परंतु एक गृहणी की अवधारणा धीरे–धीरे बदल चुकी है। आज, स्त्री व पुरूष संयुक्त रूप से घर व परिवार के दायित्वों का निर्वाह करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। महिलाएं कामकाजी बन रही है अतः पुरूषों ने परिवार की भलाई के लिये दायित्वों के निर्वहन में भागीदारी लेनी शुरू कर दी है। इसी कारण महिलाओं व पुरूषों दोनों को ही परिवार की भलाई का ज्ञान होना चाहिये व परिवार के रहन सहन का स्तर बढ़ाने के लिये प्रयासरत रहना चाहिये। इसी संदर्भ में गृह विज्ञान विषय लड़के व लड़कियों को जानकारी देता है।

इस पाठ से आपको गृह विज्ञान विषय के अर्थ, उद्देश्य, महत्त्व, विस्तार एवं रोजगार के अवसरों के विषय में ज्ञान होगा।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आप निम्न कर पायेंगे –

- घर, परिवार व गृह विज्ञान की परिभाषा;
- गृह विज्ञान विषय के अर्थ, उद्देश्य, महत्त्व व भ्रांतियों का उल्लेख;
- गृह विज्ञान विषय के विभिन्न क्षेत्रों व दैनिक जीवन के कौशलों के विकास की व्याख्या;
- रोजगार व स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों का सूचीकरण।

1.1 गृह विज्ञान का अर्थ

गृह विज्ञान शब्द दो शब्दों 'गृह' एवं 'विज्ञान' से बना है। गृह शब्द का तात्पर्य उस स्थान

टिप्पणी

से है जहाँ परिवार रहता है। विज्ञान शब्द का अर्थ उस ज्ञान से है जो वास्तविकता, सिद्धान्तों व नियमों पर आधारित है। इन दोनों शब्दों को जोड़कर गृह विज्ञान का अर्थ इस प्रकार दिया जा सकता है – गृह विज्ञान का अर्थ घर व पारिवारिक जीवन को बेहतर बनाने के लिये वैज्ञानिक ज्ञान को सुव्यवस्थित तरीके से लागू करना है।

चूँकि गृह विज्ञान दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे भोजन, आवास, कपड़ा, स्वास्थ्य, संसाधन व विभिन्न सेवाओं आदि से संबंधित है, अतः इस विषय में सभी संबंधित कला व विज्ञान विषयों के सिद्धान्त शामिल होते हैं। इन सिद्धान्तों को स्वस्थ व प्रसन्न जीवन को बढ़ावा देने के लिये लागू किया जाता है। अतः गृह विज्ञान दैनिक जीवन की कला व विज्ञान है।

आइये देखें, गृह विज्ञान किस प्रकार जीवन की कला व विज्ञान है। गृह विज्ञान में आप पोषक तत्त्वों, भोजन समूहों व संतुलित आहार आदि के विषय में पढ़ते हैं जिनसे आपके वैज्ञानिक ज्ञान में अभिवृद्धि होगी। जब आप पोषक तत्त्वों से युक्त भोजन बनाने के लिये इस ज्ञान का उपयोग करते हैं तब यह विज्ञान है परन्तु जब तैयार भोजन को आप कलात्मक तरीके से परोसते हैं तब यह एक कला है। इसी प्रकार आप वस्त्र, रेशों व उनके गुणों व देखभाल के विषय में जब पढ़ते हैं तब यह विज्ञान है परंतु जब आप किसी वस्त्र का नमूना तैयार करके उसको सिल कर उसकी सुंदरता बढ़ाने के लिये कढ़ाई आदि करते हैं, तब यह कला है। कला व विज्ञान के इस सम्मिश्रण को आप दैनिक जीवन के कई क्षेत्रों में उपयोग करते हैं।

क्रियाकलाप 1.1: अपने दैनिक जीवन में कला व विज्ञान के सम्मिश्रण को देखिए। निम्न के लिये कम से कम एक उदाहरण दीजिये–

क्र. संख्या	क्रिया	उदाहरण
1. भोजन जो आप खाते हैं		
2. कपड़े जो आप पहनते हैं		
3. आपकी रसोई की साज–सज्जा		
4. बच्चे की देखभाल		

1.2 गृह विज्ञान क्यों पढ़ें

गृह विज्ञान की शिक्षा आपसे संबंधित है। यह ज्ञान आपके घर, परिवार व संसाधनों क उचित उपयोग के लिये आवश्यक है। अतः इस विषय का उद्देश्य आपको व आपके परिवार के लिये अधिक से अधिक संतोष देना है।

यह विषय दैनिक जीवन के लिये वैज्ञानिक ज्ञान व कौशल देता है। इसके अतिरिक्त, गृह विज्ञान आपको रोज़गार के कई अवसर भी प्रदान करता है।

- आजीविका – आत्मोन्नति के लिये चुना हुआ पेशा या व्यवसाय।
- व्यवसाय – एक ऐसा नियमित व्यवसाय जिसके लिये व्यक्ति विशेष उपयुक्त हो या जिस में व पारंगत हो।
- वैतनिक रोज़गार – किसी संगठन या व्यक्ति के लिये कार्य कर के वेतन कमाना।
- स्वरोजगार – अपना स्वयं का व्यवसाय जिससे आय प्राप्त हो।
- उद्यमिता – लघु व्यापार से सीधी आय प्राप्त करना।

1.3 गृह विज्ञान का महत्त्व

गृह विज्ञान का ज्ञान आपको नयी चुनौतियों का सामना करने के लिये तैयार करता है। अत्यधिक ज्ञान का सामना करने, तकनीकी उन्नति व समाज में सफलता पूर्वक जीवन निर्वाह करने और व्यक्तियों को बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करने में यह ज्ञान सहायक सिद्ध होता है।

गृह विज्ञान एक ऐसा विषय है जो आप को साहस के साथ, बदलते वक्त की चुनौतियों का सामना करने के लिये प्रशिक्षित करता है।

- **व्यक्तिगत महत्त्व**

यह विषय आप को वैज्ञानिक ज्ञान व घर गृहस्थी के दायित्वों के दक्षतापूर्ण निर्वहन के लिये कौशल देता है। साथ ही यह आप को स्वरोजगार व वैतनिक सेवाओं के लिये भी तैयार करता है।

- **घर और पारिवारिक जीवन के लिये महत्त्व**

गृह विज्ञान उपलब्ध संसाधनों के भरपूर उपयोग से घर व पारिवारिक जीवन को दृढ़ बनाने पर बल देता है। इस विषय से विभिन्न विज्ञान विषयों को एकीकृत करके उनके ज्ञान द्वारा घर व पारिवारिक वातावरण, स्वास्थ्य और व्यक्तियों के विकास और घरेलू संसाधनों में सुधार व बढ़ोत्तरी की जाती है। केवल यही एक विषय है जो भोजन, कपड़े, आवास, स्वास्थ्य, मानवीय संबंध, परिवार के साधनों और व्यक्ति से सबंधित है।

परिवार समुदाय की सबसे छोटी सामाजिक इकाई है अतः परिवार की समृद्धि में गृह विज्ञान का योगदान, समुदाय व राष्ट्र के विकास में भी सहायता करता है।

- **आर्थिक स्थायित्व का महत्त्व**

गृह विज्ञान के विभिन्न पहलू व्यक्ति को कई प्रकार के व्यवसायों के लिये तैयार करते हैं। अतः किसी भी नौकरी अथवा स्वरोजगार से परिवार का आर्थिक स्थायित्व सुनिश्चित होता है जिससे आगे परिवार के रहन सहन में व परिवार की जीवन शैली में भी बढ़ोत्तरी होती है।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 1.1

(1) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त शब्दों से करें।

(a) वह स्थान जहां हम रहते हैं ....।

(b) वह व्यक्ति जो पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है ....।

(c) वह विषय जो स्वस्थ व प्रसन्न जीवन शैली में बढ़ोत्तरी करता है...............।

(d) किसी संगठन अथवा किसी व्यक्ति के लिये कार्य करके वेतन कमाना ....।

(e) सीधी आय बढ़ाने के लिये लघु उद्योग ....।

(2) नीचे दिये कथनों में सही उत्तर पर (√) का निशान लगाइये। अपने उत्तर के लिए कारण बताइए।

1. गृह विज्ञान दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करता है

(a) केवल लड़कों की (b) केवल लड़कियों की

(c) लड़के और लड़कियों दोनों की (d) न लड़कों और न लड़कियों की।

क्योंकि ....

....

2. गृह विज्ञान लोगों की भलाई के लिये निम्न सिद्धान्तों के ज्ञान का पालन करता है।

(a) केवल विज्ञान के (b) केवल कला विषयों के

(c) न तो विज्ञान के और न कला के (d) विज्ञान व कला दोनों के

क्योंकि ....

....

1.4 गृह विज्ञान के विषय में भ्रांतियां

एक आम व्यक्ति के लिये गृह विज्ञान का अर्थ खाना पकाना, सिलाई करना व गृह सज्जा करना मात्र है। वस्तुतः गृह विज्ञान इन सबसे बढ़कर है। यह एक ऐसा विषय है जो गृह कार्यों को और घरेलू कामकाज़ों को निपटाने में विज्ञान व कला के विषय में हमें शिक्षित करता है। इसके अतिरिक्त यह विषय न केवल आपको वैज्ञानिक गृहसज्जा बल्कि कई व्यवसायों के लिये भी तैयार करता है।

टिप्पणी

> तथ्य : राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान में ग ह विज्ञान के 49% विद्यार्थी पुरुष हैं।

इस विषय की महत्ता के बावजूद इसके बारे में कई भ्रांतियां बनी हुई हैं। इन भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। आइये उन भ्रांतियों से जुड़े पहलुओं की विवेचना करें।

भ्रांति - गृह विज्ञान मात्र खाना पकाना, सिलाई करना, गृहसज्जा व बच्चों की देखभाल आदि सिखाता है।

सत्य – हम इस सत्य से इन्कार नहीं कर सकते कि भोजन, आवास व कपड़ा दैनिक जीवन की आधारभूत आवश्यकताएं हैं। गृह विज्ञान विषय इन पहलुओं को शामिल कर वैज्ञानिक ज्ञान के पहलू पर अधिक बल देता है। उदाहरण के लिये हम भोजन केवल अपनी भूख मिटाने के लिये नहीं करते, बल्कि हम भोजन पोषक तत्त्वों की जरूरत पूरा करने के लिये भी करते हैं। ये तत्त्व हमारे विकास व अभिवृद्धि के लिये आवश्यक हैं, और विभिन्न क्रियाकलापों को पूरा करने के लिये हमें ऊर्जा देते हैं व हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियमित करते हैं।

यह सब हम गृह विज्ञान विषय के एक क्षेत्र में सीखते हैं। गृह विज्ञान विषय में खाना पकाने के पहलू में पकाने की भिन्न विधियों व सिद्धान्तों के विषय में बताया जाता है ताकि पोषक तत्वों की कम से कम हानि के साथ भोजन में विविधता, संतुलन, उपयुक्तता व पोषण भी हो। अतः सच्चाई यह है कि यद्यपि गृह विज्ञान द्वारा खाना पकाना तो सिखाया जाता है परंतु यह कलात्मक व वैज्ञानिक आधार पर किया जाता है।

इसी प्रकार, गृह विज्ञान विषयों में कला व विज्ञान के संबंध को आधार देने वाले अनेकों उदाहरण हैं। जब आप वस्त्र विज्ञान, व्यक्तित्व विकास, वैयक्तिक व पर्यावरण की स्वच्छता, समय, पैसा व ऊर्जा जैसे स्रोतों का प्रबंधन व बच्चों व बड़ों की देखभाल पढ़ेंगे तो पायेंगे कि विज्ञान के सिद्धान्त गृह विज्ञान विषय में अपनी गहरी पैठ बनाये हुये हैं ताकि इन सिद्धान्तों को दैनिक जीवन में लागू करके, व्यक्ति का आचरण भी वैज्ञानिक ही बनाया जा सके। इस प्रकार गृह विज्ञान मानवता की भलाई के लिये कार्य करता है व गृह निर्माण कला को समृद्ध करता है।

भ्रांति - गृह विज्ञान विषय केवल लड़कियों के लिये है क्योंकि भविष्य में उन्हें घर संभालना है।

सत्य – आज छोटे परिवारों की अधिकता है। दैनिक जीवन की जिम्मेदारियों के वहन के लिये स्त्री और पुरूष एक दूसरे पर अधिकाधिक निर्भर होते जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त नौकरीपेशा महिलाएं भी बढ़ती जा रही हैं। जिसका अर्थ है, महिलाओं पर अतिरिक्त जिम्मेदारी का बढ़ना। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि महिला अपने परिवार की भलाई के लिये गृहनिर्माण के साथ आय भी बढ़ा रही है। इन परिस्थितियों में महिलाओं के अतिरिक्त कार्यभार में पुरूषों की भी भागीदारी होनी चाहिये। गृह विज्ञान विषय महिलाओं व पुरूषों दोनों को दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराता है। अतः यह कहना गलत है कि गृह विज्ञान विषय केवल लड़कियों के लिये है। हमें

अपना दृष्टिकोण बदलना होगा और स्वीकार करना होगा कि गृह विज्ञान लड़कों के लिये भी उतना ही लाभदायक है।

भ्रांति - जब लड़कियाँ गृहकला अपनी माँ से सीख सकती हैं तो गृह विज्ञान क्यों?

सत्य – हाँ, लड़कियाँ कई गृहनिर्माण कलाओं को अपनी माँ से सीख सकती हैं लेकिन गृह विज्ञान विषय पढ़कर वे इन गतिविधियों से संबंधित क्यों, कैसे और कब के उत्तर जान सकती हैं। उदाहरण के लिए अचार बनाने के लिए तेल का प्रयोग क्यों किया जाता है? एक साधारण व्यक्ति का उत्तर होगा कि अचार सुरक्षित रखने के लिए किन्तु तेल कैसे अचार को सुरक्षित रखता है? गृह विज्ञान में आप सीखेंगे कि तेल संरक्षित वस्तुओं जैसे आम, नींबू आदि के हवा से सीधे संपर्क को अवरूद्ध कर खराबी होने को रोकता है। यह उदाहरण सूक्ष्मजैविकी पर आधारित है, जब आप यह विषय पढ़ेंगे तो आपको ऐसे अनेक उदाहरण और वैज्ञानिक तर्क मिलेंगे। अतः वास्तविकता यह है कि हालांकि हम कई चीजें अपनी माँ से सीखते हैं, वैज्ञानिक तर्क से हमें वे कार्य बेहतर ढ़ंग से करने में सहायता मिलती है।

चित्र 1.1

भ्रांति 4 - गृह विज्ञान पढ़ने के बाद आकर्षक व्यावसायिक अवसर उपलब्ध नहीं होते।

असत्य – सच्चाई यह है कि गृह विज्ञान विषय को हाईस्कूल स्तर तक पढ़ने के बाद भी अनेक क्षेत्रों में रोज़गार के विभिनन अवसर हैं। ऐसा अन्य कोई विषय नहीं है जिसमें रोज़गार की इतनी सम्भावनाएं हों। इसके अतिरिक्त गृह विज्ञान विषय व्यक्ति को स्वरोजगार के या लघु इकाइयाँ खोलने के अवसर भी प्रदान करता है। हम इस पाठ में बाद में इन रोजगार के अवसरों की विस्तार से व्याख्या करेंगे।

1.5 गृह विज्ञान के क्षेत्र

गृह विज्ञान एक मिश्रित विषय है जो दैनिक जीवनक की परिस्थियों से संबंधित है और गृह विज्ञान के पांच विभिन्न क्षेत्र हैं परंतु इसमें स्कूल स्तर पर केवल चार ही क्षेत्र पढ़ाये जाते हैं। गृह विज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र व इसके घटक, जिनके विषय में आप पढ़ेंगे, नीचे दिये जा रहे हैं।

तालिका 1.1

क्षेत्र	घटक
खाद्य एवं पोषण विज्ञान	भोजन, पोषण, आहार नियोजन, पोषण स्तर, स्वास्थ्य और रोगियों की देखभाल, खाद्य क्रय एवं भंडारण, खाद्य परिरक्षण।

टिप्पणी

संसाधन प्रबंधन	उपभोक्ता शिक्षण, कार्य नीतियां, आय प्रबंधन, बचत एवं निवेश, स्थान व्यवस्था, समय व ऊर्जा प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण प्रबंधन।
मानव विकास	बाल्यकाल व मध्य बाल्यकाल में विकास, किशोरावस्था, मानव विकास के कुछ विशेष मुद्दे।
वस्त्र विज्ञान	वस्त्र विज्ञान व इसकी संरचना, वस्त्र परिसज्जा, वस्त्रों का चयन, देखभाल व रखरखाव।

नोट : कॉलेज स्तर पर एक अन्य क्षेत्र, प्रसार शिक्षा, भी सम्मिलित करके एक पूर्ण विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।

1.6 गृह विज्ञान में अवसर

दैनिक जीवन के लिए गृह विज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र के अवसरों व कौशलों की तालिका 1.2 में विस्तार से व्याख्या की गयी है।

पाठगत प्रश्न 1.2

(1) गृह विज्ञान विषय से संबंधित किन्हीं तीन भ्रांतियों के विषय में लिखिये।

(i) ....

....

(ii) ....

....

(iii) ....

....

(2) गृह विज्ञान विषय के प्रत्येक क्षेत्र के दो अवसरों के विषय में लिखिये।

(a) (i) ....

(ii) ....

(b) (i) ....

(ii) ....

(c) (i) ....

(ii) ....

(d) (i) ....

(ii) ....

तालिका 1.2 : दैनिक जीवन में क्षेत्रानुसार अवसर व कुशलता विकास

अवसर	दैनिक जीवन के लिए कुशलता विकास
क्षेत्र - संसाधन प्रबंधन ● ग्राहक सतर्क व्यक्ति बनना ● पारिवारिक आय व व्यय का चतुर प्रबंधन ● बचत की आवश्यकता को पहचानना और निवेश करना ● कार्य सरलीकरण के तरीके अपनाना और थकान पर नियंत्रण पाना तथा समय व ऊर्जा का प्रबंधन करना ● स्थान संगठन व सौंदर्यीकरण का आपसी संबध पहचानना ● घर में ऊर्जा के संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग व संरक्षण करना ● पर्यावरण परक जागरूकता ● दैनिक जीवन में कार्य नीतियों के लिये रूझान का विकास करना व नीति के मानकों का विकास करना	● एक जागरूक ग्राहक की जिम्मेदारियां व अधिकारों को पहचानने की योग्यता ● उपभोक्ता सहायक सामग्री का खरीदारी करते समय व सेवाएं लेते समय प्रयोग ● उपभोक्ता सुरक्षा कानूनों के प्रति जागरूकता ● उपलब्ध आय में व्यय के कुशल प्रबंधन की क्षमता ● बचत करने की योगयता ● बचत व निवेश योजनाओं से अधिकाधिक लाभ उठाने की योग्यता ● ऊर्जा की बचत के लिये समय योजना बनाना व कार्य सरलीकरण की विधियों के प्रयोग की कुशलता ● विभिन्न घरेलू क्रियाकलापों के लिये स्थान व्यवस्था की योग्यता ● घर में नवीनीकरण योग्य व अनवीनीकरण योग्य ऊर्जा स्रोतों के उपयोग की क्षमता ● पर्यावरण क्षय को रोकने की योग्यता व पर्यावरण परक उत्पाद व व्यवहार का उपयोग। ● नीतियों की संहिता के मूल्य को महत्त्व देना
मानव विकास ● बचपन के प्रारंभ से बालक के विकास के विभिन्न पहलुओं की पहचान करना ● शारीरिक परिवर्तनों, विकासात्मक कार्य व किशोरावस्था के लक्षण व समस्यायें समझना ● व्यक्ति के विकास से संबंधित विशिष्ट मुद्दों के प्रति जागरूक होना	**मानव विकास** ● बच्चे की उसकी शारीरिक, संवेगात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, भाषा व संज्ञानात्मक विकास के अनुसार देखभाल करना ● किशोरों के सम्पूर्ण विकास की व्यवस्था की भूमिका अदा करना ● विशिष्ट जरूरतों व समस्याओं के लोगों का प्रबंधन करना
वस्त्र विज्ञान ● विभिन्न उपयोगों के लिये वस्त्रों का चतुराई पूर्वक चुनाव ● विभिन्न वस्त्र परिसज्जाओं के विषय में जानकारी लेना व वस्त्र को सजाने की साधारण तकनीकों की प्रयोग विधि जानना ● वस्त्र व कपड़ों का चतुराईपूर्ण चुनाव व देखभाल	● प्रयोग के अनुरूप वस्त्रों की पहचान व चुनाव में दक्षता प्राप्त करना ● वस्त्रसज्जा के लिये वस्त्र परिसज्जा का प्रयोग करना ● गुणवत्ता व लेबलों के आधार पर वस्त्र व कपड़े खरीदना ● कपड़ों की धुलाई व भंडारण में कुशलता प्राप्त करना
खाद्य व पोषण विज्ञान ● भोजन, पोषण व स्वास्थ्य के अंतर्सबंध को पहचानना ● पोषक तत्त्वों की आवश्यकतानुसार संतुलित आहार तैयार करने की योजना बनाना ● बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु आहार की योहना बनाना व आहार तैयार करना	● पोषक संबधी वैयक्तिक आवश्यकतानुसार संतुलित आहार तैयार करके अपनी रचनात्मकता का परिचय देना ● पोषक तत्त्वों की कमी के कारण होने वाले रोगों के लक्षणों के आधार पर आहार नियोजन की आवश्यकता का प्रदर्शन करना ● रोगी व्यक्ति के पोषण से संबधित स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार में मामूली परिवर्तन करने की योग्यता का प्रदर्शन करके आहार तैयार करना ● भोजन में संपूर्णता व विविधता लाने की योग्यता विकसित करना व भोजन को खराब होने से बचाना ● आहार संबंधी पोषण के स्तर का अनुमान लगाना व पोषक तत्त्वों की कमी से होने वाले सामान्य रोगों के लक्षणों को पहचानना ● परिवार में रोगियों के लिये विशिष्ट आहार की योजना बनाकर पोषण संबंधी देखभाल करना ● उपयुक्त भंडारण व खाद्य संरक्षण की विधियों का उपयोग

टिप्पणी

1.7 गृह विज्ञान में रोजगार के अवसर

इस पाठ के भाग 1.2 में आप रोज़गार में प्रवेश हेतु शब्दावली के विषय में जान ही चुके हैं। रोज़गार के अवसरों के विषय में अध्ययन करने से पहले रोज़गार के अवसरों से संबधित शब्दावली को जानना आवश्यक है। आप किसी बेकरी, बुटीक या डे केयर सेंटर में कार्य करके वेतन भोगी कर्मचारी बन सकते हैं। परंतु यदि आप स्वंय की बेकरी, बुटीक या डे केयर सेंटर चलाते हैं तब आप स्वरोज़गार व्यक्ति कहलाएंगे। जब आप लघु उद्यम के रूप में किसी आय के साधन को अपनाते हैं तब आप उद्यमी कहलाएंगे। स्कूल स्तर पर गृह विज्ञान विषय का अध्ययन करने के बाद आप वेतन भोगी कर्मी, स्वरोज़गार या उद्यमी बनने के कई अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

उच्चतर माध्यमिक स्तर पूरा करने के बाद वेतन भोगी कर्मी, स्वरोज़गार और उद्यमी बनने के संभावित रोज़गार के अवसर नीचे दिये गये हैं।

(A) वेतन रोज़गार के अवसर

- उपभोक्ता संगठन/सभा के कर्मचारी के रूप में।
- उपभोक्ताओं के अधिकारों के सलाहकार के रूप में।
- उपभोक्ता सामग्री व सेवाओं के विक्रय प्रतिनिधियों के रूप में।
- बचत व निवेश योजनाओं के प्रतिनिधि के रूप में।
- बचत निवेश योजनाओं के कर्मचारी के रूप में।
- फर्नीचर, उपकरणों व अन्य घरेलू सामान, सरकारी एम्पोरियम, हस्तकला केन्द्रों, घरेलू चीजों की उत्पादन इकाइयों के शोरूम के कर्मचारियों के रूप में।
- नर्सरी स्कूल, डे केयर सेन्टर, क्रेच व बालवाड़ी के कर्मचारी के रूप में।
- अतिथि गृह, होटल व दफ्तरों की देखरेख कर्मियों के रूप में।
- गृह विज्ञान महाविद्यालयों व गृह विज्ञान विषय पढ़ाने वाले विद्यालयों के प्रयोगशाल सहायकों के रूप में।
- ड्राइक्लीनिंग की दुकान के कर्मचारी के रूप में।
- खानपान केंद्रों, अस्पताल के पथ्य विभाग, जलपान गृह, कैन्टीन व खाद्य सामग्री से संबधित स्टोर के कर्मचारी के रूप में।
- वस्त्र/परिधान बनाने वाली इकाई में, वस्त्र उद्योग व डिजायनिंग इकाई के कर्मचारी के रूप में।

(B) स्वरोजगार के अवसर

- घरेलू हस्तकला, सजावटी सामग्री व रचनात्मक चीजों के उत्पादक के रूप में।
- नर्सरी स्कूल, डे केयर सेन्टर, बालवाड़ी व क्रैच के मालिक के रूप में।
- किसी अतिथि आवास गृह और पेइंग गेस्ट हाउस के मालिक के रूप में।

टिप्पणी

- कपड़ों की सिलाई और सिले-सिलाए कपड़ों की फिनिशिंग करने वाले जैसे बटन, तुरपन व साड़ी पर फॉल लगाने वाले के रूप में।
- बुटीक, बुने हुये कपड़ों की इकाई, वस्त्र बुनाई इकाई व वस्त्र सजावट इकाई के मालिक के रूप में।
- ड्राइक्लीनिंग की दुकान के मालिक के रूप में।
- कैंटीन मालिक के रूप में।
- घर से पैक की गयी भोजन सामग्री व आहार सेवाओं के आपूर्तिकर्ता के रूप में।
- बेकरी, परिरक्षित व प्रसंस्करित (Processed) भोजन इकाई के मालिक के रूप में
- पार्टियों की केटरिंग सेवा के प्रबंधक के रूप में।
- कुकिंग, वस्त्र विज्ञान, वस्त्र सजावट, सॉफ्ट टॉय बनाने की व बुनाई इत्यादि की कक्षाएँ चलाने वाले के रूप में।
- उपहारों की पैकिंग, ताजे व सूखे गुलदस्ते विक्रयकर्ता के रूप में व पार्टियों की सजावट के लिये सेवाएं देने वाले के रूप में।
- बच्चों व महिलाओं की पत्रिकाओं के लेखक के रूप में।

गृह विज्ञान विषय के ज्ञाता के रूप में, आपकी जानकारी के लिये उच्चतर माध्यमिक स्तर के बाद उपलब्ध रोजगार तालिका 1.3 में स्पष्ट रूप से दिये गये हैं। माध्यमक स्तर की पढ़ाई के पश्चात् उपलब्ध रोज़गार भी स्पष्टतया बता दिये गये हैं।

पाठगत प्रश्न 1.3

(1) नीचे गृह विज्ञान विषय में वेतन रोज़गार के कुछ उदाहरण दिये गये हैं। दाँयी ओर के कॉलम में लिखिये कि आप बाँयी ओर की प्रत्येक वेतन रोजगार की स्थिति को स्वरोज़गार में कैसे परिवर्तित कर सकते हैं।

वैतनिक रोज़गार		स्वरोज़गार
(a)	नर्सरी स्कूल का कर्मचारी	....
(b)	सरकारी एम्पोरियम का कर्मचारी	....
(c)	केटरिंग सेवा का प्रबंधक	....
(d)	जलपान गृह का रसोइया	....
(e)	बचत व निवेश योजना का कर्मचारी	....
(f)	पाक कक्षाओं में सहायक	....
(g)	घर से आहार सेवाओं के आपूर्तिकर्ता के साथ कार्य करना	....
(h)	अतिथि गृह के देखभालकर्ता	....
(i)	विक्रयकर्ता	....

मैं कौन–सा व्यवसाय अपनाऊँ?

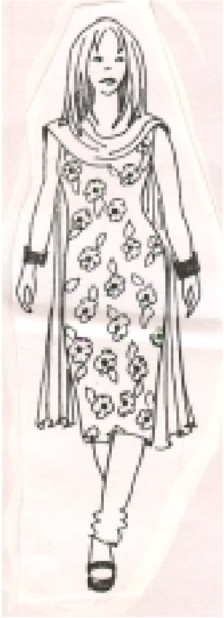

तालिका 1.3

रोज़गार के क्षेत्र	उच्चतर माध्यमिक के बाद रोज़गार के अवसर	अग्रिम पढ़ाई के अवसर	स्नातकोत्तर रोज़गार के अवसर
आहार व पोषण विज्ञान	आहार प्रयोगशाला सहायक, पथ्य सामग्री सहायक, आहार उत्पाद पर्यवेक्षक, आहार एकत्रकर्ता के रूप में, गुणवत्ता नियन्त्रक तकनीशियन, अल्पविधि रसोइया, बेकरी सहायक, परिचारक/परिचारिका, डाइनिंग कक्ष सहायक, केक के सजावटकर्ता के रूप में।	होटल प्रबंधन में डिप्लोमा, गृह विज्ञान स्नातक, पॉलिटेकनिक से डिप्लोमा/व्यावसायिक शिक्षा संस्था से डिप्लोमा, दूरशिक्षा डिप्लोमा।	आहार टैक्नीशियन, पथ्य सहायक, पथ्य टैकनीशियन, डाइटीशियन, आहार टैकनोलॉजिस्ट, आहार विज्ञानी, केटरर, बेकर खाद्य सेवा प्रबंधक, विशिष्ट रसोइया, शेफ।
हाउस कीपिंग या घरेलू देखभाल	अतिथि सेवा क्लर्क, हाउसकीपिंग सेविका, मेजबान/महिला मेजबान स्थापना सहायक, अस्थायी आवास सुविधा सहायक।	होटल प्रबंधन व केटरिंग में डिप्लोमा, गृह विज्ञान स्नातक, पॉलिटेकनिक से डिप्लोमा/व्यावसायिक शिक्षा संस्थान से डिप्लोमा, दूरशिक्षा से किसी भी विषय में डिप्लोमा	अतिथि गृह प्रबंधक, घरेलू देखभाल प्रबंधक, आवभगत निरीक्षक, होटल मोटेल प्रबंधक, सम्मेलन समन्वयक
आंतरिक सज्जा, फर्निशिंग और देखभाल	शोरूम सहायक, आंतरिक सज्जा सहायक, फर्निशिंग विक्रय सहायक।	होटल प्रबंधन व केटरिंग में डिप्लोमा, गृह विज्ञान स्नातक, पॉलिटेकनिक से डिप्लोमा/व्यावसायिक शिक्षा संस्थान से डिप्लोमा, दूरशिक्षा से किसी भी विषय में डिप्लोमा	शो विन्डो सजाने वाले डिजायनर के रूप में, आंतरिक सज्जा सहायक, फोटो स्टाइलिस्ट, फर्निशिंग क्रयकर्ता, घरेलू देखभाल शिक्षक के रूप में।

उपभोक्ता सेवाएं	उपभोक्ता अधिकार सलाहकार, उत्पाद प्रदर्शनकता/विक्रय प्रतिनिधि, उपभोक्ता रिपोर्टर, व्यक्तिगत खरीदार, उपभोक्ता सभा का कर्मचारी	बी.ए./बी.एस.सी. गृह विज्ञान, पत्रकारिता व संचार में डिप्लोमा, पब्लिक रिलेशन में डिप्लोमा, उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम में डिप्लोमा।	खाद्य उत्पाद चखने वाले के रूप में, उत्पाद प्रतिनिधि, पब्लिक रिलेशन प्रतिनिधि, उपभोक्ता समाचार लेखन
परिवार व मानव सेवाएं	प्रौढ़ डे केयर कार्यकर्ता, आवासीय देखभाल सहायक, वृद्ध देखभाल कार्यकर्ता, पारिवारिक सहायक, व्यक्तिगत घरेलू देखभाल सहायक, गृहस्वामिनी सहायक	बी.ए./बी.एस.सी. गृह विज्ञान, विशिष्ट शिक्षा में डिप्लोमा, बाल विकास सलाहकार।	सामुदायिक कार्यकता, विशिष्ट जरूरतों के लिये कार्यकर्ता।
बाल विकास व शिक्षा	प्री स्कूल सहायक, पारिवारिक बाल देखभाल कार्यकर्ता, मनोरंजन सहायक, शिक्षा सहायक।	विशिष्ट शिक्षा में डिप्लोमा/बाल विकास काउंसलर, बाल मार्ग दर्शक और सलाहकार सर्टिफिकेट कोर्स, बी.एस.सी., प्रारम्भिक शिक्षा।	बाल डे केयर संचालक, प्री स्कूल शिक्षक, विशिष्ट शिक्षा सहायक, स्कूल के पश्चात् कार्यक्रम संचालक।
फैशन डिजायन, उत्पादन व विक्रय	फैशन डिजायन सहायक, वस्त्र/सजावट सामग्री अनुमानकर्ता, विक्रय सहायक, उपभोक्ता सहायक, ड्राइक्लीनिंग दुकान का कर्मचारी, वस्त्र उद्योग का कर्मचारी, कढ़ाई इकाई का कर्मचारी।	बी.एस.सी. गृह विज्ञान, फैशन डिजायनिंग संस्थान पॉलिटैकनिक/डिजायन स्कूल से फैशन डिजायनिंग का कोर्स	सहायक डिजायनर, फैशन आरेखक (illustrator), वस्त्र टैकनीशियन, कम्प्यूटर इमेजिंग कंसल्टेंट, काल का प्रदर्शनकर्ता, फैशन क्रयकर्ता

मैं कौन–सा
व्यवसाय
अपनाऊँ?

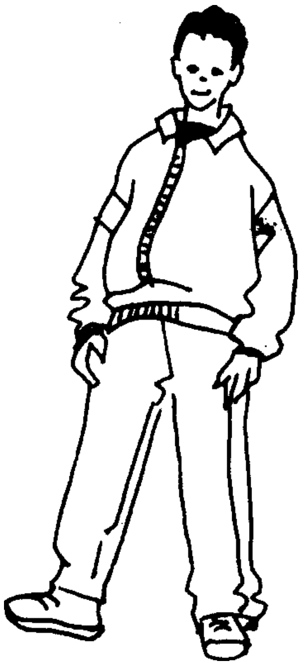

पाठगत प्रश्न 1.4

नए काम की तलाश में रचना एक रोजगार ऐजेन्सी के पास गई लेकिन जब वह वहाँ पहुँची तो सभी शीर्षक मिश्रित कर दिए गए थे। प्रबंधक मिस्टर जैन रचना को एक कार्य दे सकते हैं यदि वह इन सभी कार्य शीर्षकों को क्रम अनुसार कर दे। क्या आप उसकी मदद कर सकते हैं?

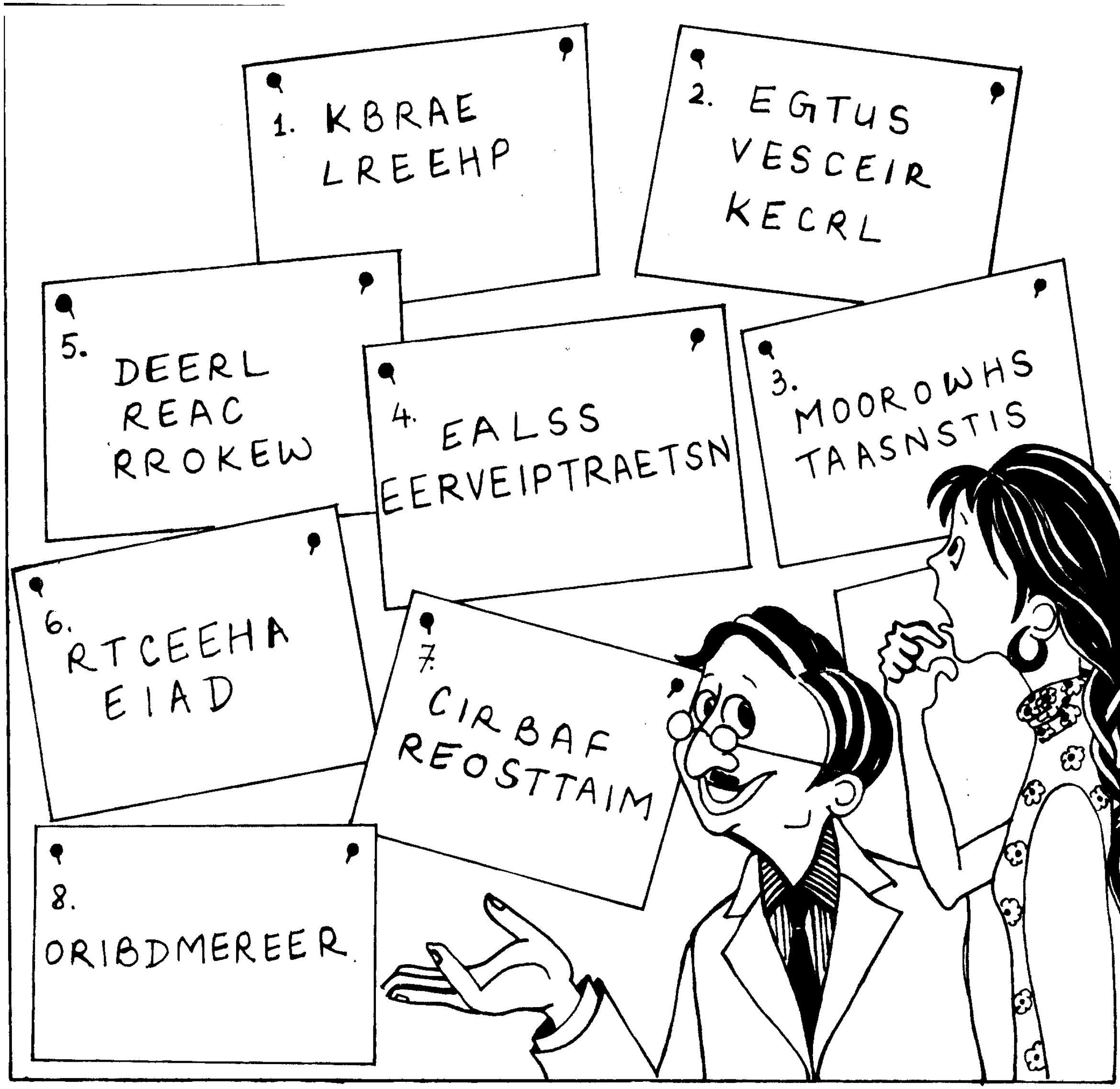

आपने क्या सीखा

गृह विज्ञान

↓

कौशल सिखाता है

↓

जीने के लिए — जीवकोपार्जन के लिए

द्वारा

- वेतन रोज़गार
- स्वरोज़गार
- उद्यमिता

पाठान्त प्रश्न

1. उपयुक्त उदाहरण सहित निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए
   a) वेतन रोज़गार व स्व-रोजगार
   b) घर व गृहस्थी
   c) व्यवसाय व उद्यमिता
2. गृह विज्ञान केवल लड़कियों के लिए अर्थपूर्ण है। व्याख्या कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

1.1 1. (a) घर (b) गृहणी (c) गृह विज्ञान (d) वेतन रोजगार (e) उद्यमिता

2. (i) c, (ii) d

1.2 1.2 पूरा पाठ पढ़ें

1.3 1. a) अपना नर्सरी स्कूल खोलकर

b) उपहारों की दुकान का मालिक

c) अपनी स्वंय की केटरिंग सेवा प्रारम्भ कर

d) अपना स्वंय का जलपान गृह चलाकर

e) बचत व निवेश योजना का ऐजेंट बनकर

f) अपनी स्वंय की कुकिंग कक्षाएँ चलाकर

g) घर से आहार सेवाओं की आपूर्ति करना

h) अपना स्वयं का अतिथि गृह चलाकर

i) अपना स्वयं का बुटीक खोलकर

1.4 1. बेकरी सहायक

2. अतिथि सेवा क्लर्क

3. शोरूम सहायक

4. विक्रय प्रतिनिधि

5. वृद्ध देखभाल कार्यकर्ता

6. शिक्षा सहायक

7. वस्त्र अनुमानकर्ता

8. कढ़ाई कर्ता

अधिक जानकारी के लिए
http;//www.hect.org का लॉग ऑन कीजिए
और HERO पर क्लिक कीजिए